

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी
दीगज कार्यों में व्यस्त हैं, मिसल इत्यादि
होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा
दिनांक 28/5/20 को पेश हो।

28/5/20

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी
दीगज कार्यों में व्यस्त हैं, मिसल इत्यादि
होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा
दिनांक 27/5/20 को पेश हो।

27/5/20

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी
दीगज कार्यों में व्यस्त हैं, मिसल इत्यादि
होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार
आईन्दा दिनांक 12/10/20 को पेश हो।

15/10/20

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी
दीगज कार्यों में व्यस्त हैं, मिसल इत्यादि
होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार
आईन्दा दिनांक 25/02/21 को पेश हो।

25/02/21

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी
दीगज कार्यों में व्यस्त हैं, मिसल इत्यादि
होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार
आईन्दा दिनांक 15/05/21 को पेश हो।

15/5/21

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी
दीगज कार्यों में व्यस्त हैं, मिसल इत्यादि
होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार
आईन्दा दिनांक 10/6/21 को पेश हो।

10/6/21

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी
दीगज कार्यों में व्यस्त हैं, मिसल इत्यादि
होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार
आईन्दा दिनांक 26/8/21 को पेश हो।

26/8/21

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी
दीगज कार्यों में व्यस्त हैं, मिसल इत्यादि
होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार
आईन्दा दिनांक 28/10/21 को पेश हो।

31/09/21

पत्रावली पेश हुई। वादीगण वकील मधु वाणीगण स्वयंसेवक।
वादीगण वकील ने अर्चना पत्र वास्तु आज पेशी पर लेने
बाबर पेश कर निवेदन किया कि पत्रावली आज पेशी
लारीख पर ली जावे। वादीगण के अर्चना पत्र पर प्रतिक
आज पेशी लारीख पर ली गई। वादीगण वकील ने
अर्चना पत्र वास्तु वाद किशो करने बाबर पेश कर

ग/21/21
हु सीक

तारीख
हुक्म

निवेदन किया कि उपरोक्त अनवान के बाद को आगे
पलाने नही चाहते है न ही जेडि धारकी करना
चाहते है। इतलिये उक्त अनवान के बाद को जरिये
राजीनामा विद्वो फरमाया जावे।

अतः प्रथी द्वारा उद्धृत अर्थना पत्र को धारक
में स्वीकार किया जाउर उक्त अनवान के बाद को
जरिये राजीनामा विद्वो फरमाया जाला है। पत्रावली
फैसल नुमार सेउर दारिकत दफतर हो करेखा से
उस धे।

31.08.21

विद्वो की नतिवादी...
उक्त अनवान के बाद को आगे
पलाने नही चाहते है न ही जेडि धारकी करना
चाहते है। इतलिये उक्त अनवान के बाद को जरिये
राजीनामा विद्वो फरमाया जावे।

विद्वो की नतिवादी...
उक्त अनवान के बाद को आगे
पलाने नही चाहते है न ही जेडि धारकी करना
चाहते है। इतलिये उक्त अनवान के बाद को जरिये
राजीनामा विद्वो फरमाया जावे।

विद्वो की नतिवादी...
उक्त अनवान के बाद को आगे
पलाने नही चाहते है न ही जेडि धारकी करना
चाहते है। इतलिये उक्त अनवान के बाद को जरिये
राजीनामा विद्वो फरमाया जावे।

विद्वो की नतिवादी...
उक्त अनवान के बाद को आगे
पलाने नही चाहते है न ही जेडि धारकी करना
चाहते है। इतलिये उक्त अनवान के बाद को जरिये
राजीनामा विद्वो फरमाया जावे।

विद्वो की नतिवादी...
उक्त अनवान के बाद को आगे
पलाने नही चाहते है न ही जेडि धारकी करना
चाहते है। इतलिये उक्त अनवान के बाद को जरिये
राजीनामा विद्वो फरमाया जावे।

विद्वो की नतिवादी...
उक्त अनवान के बाद को आगे
पलाने नही चाहते है न ही जेडि धारकी करना
चाहते है। इतलिये उक्त अनवान के बाद को जरिये
राजीनामा विद्वो फरमाया जावे।

विद्वो की नतिवादी...
उक्त अनवान के बाद को आगे
पलाने नही चाहते है न ही जेडि धारकी करना
चाहते है। इतलिये उक्त अनवान के बाद को जरिये
राजीनामा विद्वो फरमाया जावे।